2022

(November)

HINDI

(Honours)

(Adhunik Hindi Kavya)

Marks : 75

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×3=15

(क) उस रुदन्ती विरहिणी के रुदन-रस के लेप से,
और पाकर ताप उसके प्रिय-विरह-विक्षेप से,
वर्ण-वर्ण सदैव जिनके हों विभूषण कर्ण के,
क्यों न बनते कविजनों के ताम्रपत्र सुवर्ण के?

(ख) इस हृदय कमल का घिरना
अलि अलकों की उलझन में
आँसू मरन्द का गिरना
मिलना निश्वास पवन में।

(ग) भटके हुए व्यक्ति का संशय
इतिहासों का अन्धा निश्चय
ये दोनों जिसमें पा आश्रय
बन जाएँगे सार्थक समतल

(घ) महामंत्री
जनता के लिए नहीं
वह विरोधियों को प्रमाण दे रहा है
कि मैं दलबदल के लिए योग्य व्यक्ति हूँ।

(ङ) माना कि नीचे एक चलती सड़क है
और उस पर एक अर्थहीन शोर है,
हवा की पुकार दब जाती है,
वह इतनी गलियों में भटकती
और इतने घरों से टकराती है
कि मुझ तक आते-आते बेदम हो जाती है।

2. 'साकेत' के नवम सर्ग में उर्मिला की विरह-वेदना का विशद चित्रण हुआ है, स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'साकेत' के नवम सर्ग का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

3. जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय दीजिए। 15

अथवा

पठित अंश के आधार पर 'आँसू' काव्य के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

4. नागार्जुन के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

'गैरिक वाणी' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 15

अथवा

'फर्क नहीं पड़ता' नामक कविता में निहित मूल भावों को स्पष्ट कीजिए।

★★★